

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग **II---वण्ड** 3----- अय-वण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ५ 4)] नई दि: भी, जंगलगार, फरवरी 8, 1972/मध्य 19, 1893

No. 43] NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 8, 1972/MAGHA 19, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे िक यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE,

(Department of Food

ORDER

New Delhi, the 8th February 1972

G.S.R. 72(E)/Ess. Com./Sugar.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) and clause 6 of the Sugar (Control) Order, 1966, the Central Government hereby makes the following Order to amend the Sugar (Restrictions on Movement) Order, 1972, namely:—

- 1. (1) This Order may be called the Sugar (Restrictions on Movement) Amendment Order, 1972.
 - (2) It shall come into force at once.
 - 2. In the proviso to clause 2 of the Sugar (Restrictions on Movement) Orders, 1972,-
 - (1) for clause (ii), the following clauses shall be substituted, namely:--
 - "(ii) by a recognised dealer in one State from a vacuum pan sugar factory in another State; or
 - (ii-a) to Sikkim by a nominee of the Government of Sikkim or to Bhutan by a nominee of the Government of Bhutan; or";

(2) the following Explanation shall be added at the end, namely:—
"Explanation.—For the purposes of clause (ii), if the transport of sugar is covered by a gate pass issued by the Central Excise authorities attached to a vacuum pan factory, it will be treated as transport from the vacuum pan factory.".

[No. 1-1/72-S. Py.] S V. SAMPATH, Jt. Secy.

कृषि मंत्रालय (ख.च विनाग)

श्रावेश

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1972

साठ काठ निठ-72 (भ) बाठ घठ/शक्री---श्रावश्यक वस्तु ग्रिधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 तथा शर्करा (नियंत्रण) श्रादेण, 1966 के खण्ड द्वारा प्रदत्त शक्तियों क प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा गर्करा (संचालन पर निर्वधन) श्रादेण, 1972 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित श्रादेण करती है, श्रयान् :--

- 1. (1) यह भादेश गर्करा (संचालन पर निर्बंधन) भादेश, 1972 कहा जा सकेगा।
 - (2) यह तुरन्त प्रवृत होगा।
- 2. शर्करा (संचलन पर नियंत्रण) ग्रादेश, 1972 के खण्ड 2 के परन्तुक में,--
 - (1) खण्ड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जायेगा, ग्रयीन् :---
 - "(i^i) किसी राज्य में भान्यता प्राप्त व्यवहारी द्वारा किसी प्रन्य राज्य में निर्वात कढ़ाई शर्करा कारखाने से; या(i^i)—(क)सिक्कम सरकार के किसी नामनिदेशिती द्वारा सिक्कम को या भूटान सरकार के नामनिदेशिती द्वारा भूटान को; या":
 - (2) ग्रन्त में निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोडा आयेगा, ग्रयान :--

"स्य श्रीकर एए.— यदि शकेरा का परिवहन किसी निर्वात कढ़ाई कारखाने से संबद्ध केन्द्रीय उत्पादशुल्क प्राधिकारी द्वारा जारी किये गए द्वार-पत्र के झन्तर्गत भाता है तोखंष्ड (ii) प्रयोजनों के लिए उसे निर्वात कड़ाई कारखाने से परिवहन समझा जायेगा।

[सं० 1-1/72-एस०पी०वाई०] एस० वी० सम्पथ, संयुक्त सचिव ।